वर्ष-8 अंक 45 01 जुलाई से 07 जुलाई 2024 तक पृष्ठ-12 MPHIN/2015/63623

न्यूज क्राइम फाइल

आमंत्रण मुल्य 15/-

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

पुलिस ने नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ा: सीएम

मुख्यमंत्री के हाथों क्रम से पूर्व पदोन्नति मिलना एक अविस्मरणीय पल है: डीजीपी

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रकृति ने बालाघाट को विशेष वरदान दिया है। स्वर्ग जैसी भूमि पर नक्सली गतिविधियां कतई बर्दाश्त नही की जाएगी। इसका नमूना इसी वर्ष हॉकफोर्स के जवानों ने एक अप्रैल को लांजी के पितकोना क्षेत्र में दिखाया है। हॉकफोर्स और पुलिस के जवानों ने अपनी सक्रियता से नक्सलवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने में अपना शौर्य और पराक्रम दिखाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 28 जवानों को शौर्य और पराक्रम प्रदर्शित करने के लिये उनके कंधों पर फीते और स्टार लगाकर क्रम-पूर्व पदोन्नति देकर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के साथ बेल पत्र का पौधा भी लगाया। पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना ने कहा कि मुख्यमंत्री के हाथों क्रम से पूर्व पदोन्नति मिलना एक अविस्मरणीय पल है।

पाँच वर्षो में 3 करोड़ 5 लाख के ईनामी नक्सलियों पर प्रहार

मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने नक्सली गतिविधियों पर अब तक हुई कार्रवाई के बारे में कहा कि पिछले 5 वर्षों में हॉकफोर्स और पुलिस के जवानों ने 19 नक्सलियों को मार गिराया है। जिन पर विभिन्न प्रदेशों में 3 करोड़ 5 लाख रुपये के ईनाम घोषित थे। यह कार्यक्रम उन जवानों को याद और सम्मानित करने का भी दिन है, जिन्होंने कर्त्तव्य निर्वहन करते हुए अपना बलिदान दिया है। साथ ही क्रम से पूर्व प्रमोशन का आयोजन है। सरकार उन सभी के साथ खड़ी है, जिन्होंने हिम्मत और साहस के बल पर प्रदेश का मान बढ़ाया है।

भारत विश्व में तीसरा देश जो दुश्मनों के देश मे घुसकर जवाब दे रहा है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज भारत विश्व का ऐसा तीसरा देश बन गया है, जो अपने देश में ही नहीं बल्कि दुश्मन देश की सीमाओं में

आज का दिन ऐतिहासिक एवं गौरवशाली

मुख्यंमत्री डॉ. यादव ने शनिवार को बालाघाट में पुलिस विभाग के अलंकरण समारोह में सम्बोधित करते हुए कहा कि आज का दिन वास्तविक अर्थो में ऐतिहासिक दिन के साथ ही भारत माता को गौरवान्वित करने का भी दिन है। आज का दिन शौर्य, साहस, हिम्मत और पराक्रम को सार्थक करने वाले जवानों के सम्मान का दिन है। धन-धान्य व भूगर्भ संपदा से परिपूर्ण भूमि पर नक्सली/माओवादी ताकतों की नजर रही है। ऐसी ताकतों पर एक अप्रैल 2024 को की गई कार्रवाई पुलिस का कड़ा प्रहार है। समारोह का आयोजन हॉकफोर्स व पुलिस जवानों का क्रम से पूर्व प्रमोशन के लिए किया गया था।

घुसकर दुश्मनों को खत्म करने की ताकत रखता है। इजराइल और अमेरिका के बाद भारत तीसरा देश है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम के पश्चात पुलिस जवानों के परिजनों के साथ समय बिताया। उन्होंने बच्चों को स्नेह व दुलार किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जवानों के माता-पिता व दादा-दादी से आशीर्वाद लिया। साथ ही जवानों के परिजनों के साथ फोटो भी करवायें।

दो हार्डकोर नक्सलियों को पुलिस ने मार गिराया था

उल्लेखनीय है कि 1 अप्रैल 2024 को थाना लांजी अंतर्गत पितकोना-केरझिरी के जंगल में प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के सक्रिय सदस्यों के मध्य मुठभेड़ में 2 हार्डकोर माओवादियों को मार गिराने में बालाघाट पुलिस को सफलता प्राप्त हुई थी। इस मुठभेड़ में कान्हा भोरमदेव डिवीजन के भोरमदेव एरिया कमेटी की डिवीजनल कमेटी सदस्य साजंती उर्फ क्रांति पति सुरेन्दर नि. ग्राम रेगाड़म जिला सुकमा (छ0ग0) एवं मलाजखंड एरिया कमेटी सदस्य रघु उर्फ शेरसिंह उर्फ सोमजी पन्द्रे नि. दड़ेकसा चौकी डाबरी थाना लांजी जिला बालाघाट म.प्र. को मार गिराने में सफलता प्राप्त हुई। मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र राज्यों द्वारा साजन्ती पर 29 लाख रुपए और रघु पर 14 लाख रुपए का इनाम यानी दोनों पर संयुक्त रूप से कुल 43 लाख रूपये का इनाम घोषित किया गया था। इन दोनों नक्सलियों के पास से हॉकफोर्स के जवानों ने एके- 47 रायफल, एक 12 बोर रायफल, नक्सल साहित्य एवं दैनिक उपयोग की सामग्री पुलिस द्वारा बरामद की थी। हॉकफोर्स और पुलिस जवानों के अलंकरण समारोह में क्षेत्रीय सांसद श्रीमती भारती पारधी, कटंगी विधायक श्री गौरव पारधी, लांजी विधायक श्री राजकुमार कर्राहे, बैहर विधायक श्री संजय उइके, परसवाड़ा विधायक श्री मधु भगत, वारासिवनी विधायक श्री विक्की पटेल, पूर्व मंत्री श्री गौरीशंकर बिसेन व रामकिशोर कावरे तथा नपा अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत ठाकुर उपस्थित रहे।

नक्सल उन्मूलन की दिशा में हॉकफोर्स ने किया उल्लेखनीय कार्य : डीजीपी

पुलिस महानिदेशक ने कार्यक्रम के दौरान अपने उद्बोधन में कहा कि हम सभी कितने भाग्यशाली हैं कि हमें ऐसे संवेदनशील मुख्यमंत्री मिले हैं कि वे सभी पुलिस के जवानों को अपने परिवार का सदस्य मानते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे हॉकफोर्स के जवान अत्यंत विषम परिस्थितियों में अपने परिवार से दूर रहकर ऐसे दुश्मनों का सामना कर रहे हैं, जिनका भारत के संविधान पर विश्वास नहीं है। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा विगत पांच वर्षों में नक्सल उन्मूलन में उल्लेखनीय कार्य किए गये हैं। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री समीर सौरभ ने स्वागत सम्बोधन में आयोजित रूपरेखा बतायी। साथ ही पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर सक्सेना ने 1 अप्रैल 24 को लांजी में घटित हुई नक्सली घटना के बारे में विस्तार से बताया। उन्होनें कहा कि 32 वर्षो में पहली बार 1 अप्रैल को बढ़ी जवाबी कार्यवाही हुई, जिसमें 2 हार्डकोर नक्सली मारे गये। वहीं एके-47 रायफल जैसे घातक हथियार जब्त किये गये।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की अधिसूचना जारी

पुलिस कंट्रोल रूम में रहेगा हर थाने की गिरफ्तारी का ब्यौरा

संजीव कुमार

प्रदेश में अब पुलिस कंट्रोल रूम में जिले के किसी भी थाने में गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पूरी डिटेल रखना होगी। इसके साथ ही थाना प्रभारियों के लिए भी यह व्यवस्था तय की गई है। जिसमें उनके थाने से किसी भी व्यक्ति के लिए न्यायालय से जारी होने वाले समन के तामील कराने की प्रक्रिया थाने में रखे रजिस्टर में दर्ज करना होगी। गृह विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है और जल्द ही अलग से इसके आदेश जारी किए जाएंगे। गृह विभाग के सचिव गौरव राजपूत द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के लिए किए गए नोटिफिकेशन में धारा 37 के अंतर्गत कई व्यवस्थाएं तय की गई हैं। इसमें पुलिस कंट्रोल रूम को जिला मुख्यालय में धारा 37 के अंतर्गत प्रभावी रखने के लिए कहा है। वहीं, समन को लेकर भी नागरिक संहिता में लागू प्रावधानों का पालन करने के लिए कहा गया है।

ऐसे हैं धारा 37 और 64 में किए गए प्रमुख प्रावधान

■हर जिले में जिला मुख्यालय पर पुलिस कंट्रोल रूम के लिए एक पुलिस अधिकारी एसपी पदस्थ करेंगे जो एएसआई से नीचे के पद वाला नहीं होना चाहिए।

■कंट्रोल रूम में तैनात पुलिस अधिकारी के पास जिले के हर थाने में गिरफ्तार किए गए

व्यक्तियों के नाम, पते और जिस अपराध में उसे गिरफ्तार किया गया है, उसकी जानकारी होना जरूरी है। इसलिए थानों को यह जानकारी देना जरूरी है।

■इस संहिता में यह प्रावधान भी किया गया है कि धारा 64 के अंतर्गत हर पुलिस थाने पर समन किए गए व्यक्तियों के सम्बन्ध में एक रजिस्टर भौतिक या इलेक्ट्रानिक रूप में रखा जाएगा।

■इस रजिस्टर में समन किए गए व्यक्ति का पूरा नाम, पिता या पति का नाम, पता, मोबाइल और व्हाट्सएप नम्बर, ई मेल एड्रेस, जिले और थाने का नाम, अपराध क्रमांक, धारा और न्यायालय का नाम व न्यायालय प्रकरण क्रमांक की जानकारी दर्ज करना होगा।

■इसमें यह व्यवस्था भी तय की गई है कि राज्य सरकार उच्च न्यायालय द्वारा जिला और तहसील स्तर पर श्रव्य व दृश्य इलेक्टानिक साधनों से साक्षी की परीक्षा के लिए समय समय पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग रूप को स्वीकार करेगी।

■संहिता में संचालक लोक अभियोजन और जिला निदेशक अभियोजन के दायित्व भी तय किए

■नागरिक सुरक्षा संहिता में संचालक लोक अभियोजन का दायित्व होगा कि न्यायालयों में अपर लोक अभियोजक, सहायक लोक अभियोजक, विशेष लोक अभियोजक की उपस्थिति तय कराएं। संचालक लोक अभियोजक अपने अधीनस्थ अफसरों से डिजिटल फॉर्म में जानकारी ले सकेंगे।

45 पुलिसकर्मियों के तबादले

भोपाल के जोन 2 के कई थानों में पदस्थ 45 पुलिस कर्मियों का तबादला किया गया है। इस लिस्ट में उप निरीक्षक, सहायक उप निरीक्षक और हेड कॉन्स्टेबल का नाम भी शामिल है। शुक्रवार को डीसीपी श्रद्धा तिवारी ने तबादलों का आदेश जारी किया है। जिसमें बड़े पैमाने पर कार्यालय डीसीपी जोन 2, थाना अरेरा हिल्स, थाना एमपी नगर, थाना गोविंदपुरा, थाना अवधपुरी, थाना अयोध्या नगर, थाना पिपलानी, थाना मिसरोद, थाना कटारा हिल्स, थाना बागसेवनिया में पदस्थ 45 पुलिसकर्मियों को इधर से उधर किया है।

भोपाल में 14 साल की नाबालिग से दुष्कर्म

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल में 14 साल की नाबालिग से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। यह मामला भोपाल के निशातपुरा इलाके का है। बताया जा रहा है कि आरोपी किशोरी की मां के साथ रहता था। जिस वक्त नाबालिग की मां घर पर नहीं थी उस दौरान आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी की तलाश जारी है।

वह लंबे समय से था मां का परिचित

निशातपुरा थाना पुलिस ने बताया कि 14 साल की नाबालिग अपनी मां और भाईयों के साथ करोंद इलाके में रहती है। किशोरी के पिता कई सालों पहले ही परिवार से अलग रह रहे थे। किशोरी की मां का परिचय आरोपी से कई सालों से था। वह लंबे समय से परिचित था। पिछले कुछ समय से आरोपी किशोरी की मां के साथ ही रहने लगा था। पुलिस ने बताया कि किशोरी की मां को खून की बीमारी थी जिसके कारण उन्हें खून चढ़वाना पड़ता था। मार्च महीने में उनकी तबीयत बिगड़ी और उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान पीड़िता घर पर अकेली रहती थी और खाना बनाकर अस्पताल भेजती थी।

प्रेगनेंट होने पर हुआ खुलासा

एक दिन आरोपी घर पर आया और उसने किशोरी को घर पर अकेला पाया। आरोपी ने मौके का फायदा उठाकर नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी ने धमकी दी कि अगर उसने किसी को बताया तो वह उसके परिवार को खत्म कर देगा। डर के मारे पीड़िता चुप रही और उसने किसी को भी इस बारे में नहीं बताया। इसी का फायदा उठाकर आरोपी ने फिर से रेप किया। कुछ दिनों के बाद आरोपी घर छोड़कर चला गया। हाल ही में पीड़िता के पेट में दर्द होने पर उसकी मां उसे डॉक्टर के पास ले गई। डॉक्टर ने जांच के बाद बताया कि पीड़िता गर्भवती है। मां के पूछने पर पीड़िता ने पूरी बात अपनी मां को बताई। जिसके बाद मां बेटी को लेकर थाने पहुंची और शिकायत

दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

सरेंडर के इरादे से कोर्ट में पत्नी साले के साथ पहुंचा था, पुलिस ने उठाया

मैनेजर सुसाइड के लिए उकसाने वाला एसआई गिरफ्तार

न्यूज क्राइम फाइल

इंडियन पोटाश लिमिटेड के एरिया मैनेजर मनोज रघुवंशी सुसाइड केस में आरोपी विदिशा कोतवाली के तत्कालीन थाना प्रभारी एसआई गौरव रघुवंशी मृतक की पत्नी ज्योति और साले पिंटू उर्फ देवेंद्र को अयोध्या नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। तीनों भोपाल कोर्ट में गुरुवार की दोपहर को सरेंडर करने पहुंचे थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने तीनों को सरेंडर से पहले कोर्ट के बाहर से पकड़ लिया। शाम को आरोपियों को मेडिकल के बाद न्यायालय में पेश कर तीन दिन की रिमांड पर लिया गया है। तीनों की निशानदेही पर केस से जुड़े अहम सबूत जब्त किए जाना है। इसी के साथ आरोपियों ने फरारी कहां और किस-किस के पास काटी इस संबंध में भी पूछताछ की जाएगी। मामले में 7 लोगों को आरोपी बनाया था। इनमें से गीता रघुवंशी, कांती बाई, टिंकु उर्फ अविनाश और रिटायर्ड एएसआई राम सिंह को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दे दी है।

सुसाइड नोट में क्या लिखा था

30 नवंबर 2023 को मनोज ने अपने अयोध्या नगर स्थित घर में सुसाइड किया था। इससे पहले उन्होंने सुसाइड नोट लिखा था, जिसमें उन्होंने लिखा कि मैं मरना नहीं चाहता। पत्नी, उसके मौसेरे भाई और मौसा-मौसी ने मजबूर कर दिया। इन्हीं के कारण मैं आत्महत्या कर रहा हूं। ये लोग मुझसे लाखों रुपए ले चुके हैं। पत्नी दबाव बनाती है कि बेटे को तुमसे तभी मिलने दूंगी, जब अपनी मां से संपत्ति में हिस्सा लेकर बच्चे के नाम कर दोगे। बेटे अक्षय से बेहद प्यार करता हूं। भाई सारी संपत्ति तुम रख लेना। पत्नी को कुछ मत देना... कुछ भी नहीं। इस मामले में सुसाइड का वीडियो भी सामने आया था। लंबी जांच के बाद पुलिस ने मनोज रघुवंशी के साले तत्कालीन थाना प्रभारी और

सब इंस्पेक्टर गौरव रघुवंशी सहित 1 मार्च 2024 को 6 लोगों पर खुदकुशी के लिए उकसाने का केस दर्ज किया था।

आरोपियों पर पांच हजार रुपए का इनाम घोषित था

9 अप्रैल 2024 को भोपाल जोन-2 की अधीक्षक श्रद्धा तिवारी ने आरोपियों की सूचना देने पर 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया है। वहीं, 19 अप्रैल को मनोज रघुवंशी की मां ने पुलिस कमिश्नर से आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर शिकायती आवेदन दिया था। इसके बाद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की जा सकी है।

मां ने पुलिस कमिश्नर से की थी शिकायत

मनोज रघुवंशी (40) की मां शकुन ने 19 अप्रैल को पुलिस कमिश्नर कार्यालय में एक आवेदन दिया, जिसमें बताया कि मेरा बेटा अभिनव होम्स में रहता था। वह कंपनी में एरिया मैनेजर था। उसकी शादी 11 साल पहले ज्योति रघुवंशी से हुई थी। दोनों का 10 साल का बेटा अक्षय है। बेटे मनोज का साला गौरव रघुवंशी एसआई कोतवाली थाना विदिशा में पदस्थ है। वह पूर्व में विदिशा जिले के एक थाने का प्रभारी भी रहा है, और बहू ज्योति का मौसेरा भाई है। गौरव के पिता राम सिंह भी एएसआई पद से रिटायर्ड हैं। ये दोनों बेटे और बहू के आपसी विवाद में बेटे पर दबाव बनाते थे। उसे हत्या के प्रयास के केस में फंसाने की धमकी देते थे। 29 नवंबर 2023 को पति-पत्नी के आपसी विवाद में उसके ससुर और साले ने मेरे बेटे पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज कराने का प्रयास किया। उसे अयोध्या नगर थाने तक बुलाया गया। यहां टीआई को गौरव ने कई कॉल कर झूठा केस दर्ज कराने का प्रयास किया। पूर्व में बहू ज्योति कई बार अपने मायके में चली जाया करती थी। महीनों तक नहीं लौटती थी। दबाव बनवाकर ही उसने बेटे को अलग रहने को मजबूर किया था। वह दबाव बनाकर उसकी संपत्ति को अपने नाम कराना चाहती थी। ऐसा नहीं करने पर मायके लौट जाने की धमकी देती थी। आए दिन की धमकियों से तंग आकर बेटे ने सुसाइड कर लिया था। जिसकी लंबी जांच के बाद एफआईआर दर्ज की गई। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस पार्टी रवाना हो रही थी, जिसकी सूचना अयोध्या थाने के ही एसआई विनोद पंथी ने गौरव को दे दी। तब से ही सारे आरोपी फरार हैं। उनके खिलाफ इनाम तो घोषित किया गया, लेकिन संपत्ति कुर्की की कार्रवाई नहीं की गई है। गौरव को विदिशा पुलिस ने नामजद आरोपी होने और इनामी होने के बाद भी सस्पेंड नहीं किया है। कृपया कर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी कराने का कष्ट करें, जिससे मेरे मृत बेटे को न्याय मिल सके।

आखिरी वीडियो में भी किया प्रताड़ना का जिक्र

सुसाइड से पहले मनोज ने एक 6 मिनट का वीडियो मोबाइल फोन में शूट किया था। जिसमें उसने पत्नी ज्योति और उसके 6 रिश्तेदारों की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या करने की बात कही है। पुलिस ने इस वीडियो को भी जब्त किया था। इसी के साथ हाथ से लिखा सुसाइड नोट भी पुलिस को मनोज के पास से मिला था। जिसमें उसने अपने मोबाइल का पासवर्ड भी लिख रखा था।

घर के सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी घटना

मृतक के घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में सुसाइड की घटना कैद हुई थी। इस वीडियो में मनोज घर के बाहर निकलता दिखता है, पीछे से पत्नी ज्योति और बेटा भी आते हैं। अचानक मनोज दहलीज पर अचेत हो जाता है। बाद में उसे अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया जाता है।

थाना प्रभारी बोले सरेंडर से पहले पकड़ा

टीआई महेश लिल्हारे ने बताया कि आरोपियों की तलाश में थाने की दो टीमें जुटी थी। मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों को कोर्ट से गिरफ्तार किया है। गौरव सहित तीनों को तीन दिन की रिमांड पर लिया गया है।

जंगल में किया दुष्कर्म, युवती हुई गर्भवती, 4 पर एफआईआर

न्यूज क्राइम फाइल

रातीबड़ पुलिस ने एक युवती की रिपोर्ट पर युवक के खिलाफ शारीरिक शोषण और गर्भपात समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। आरोपी युवती को शादी का झांसा देकर दैहिक शोषण कर रहा था। आरोपी ने घर की महिला परिजनों के साथ मिलकर पीड़ित युवती का गर्भपात भी कराया था। इस मामले में युवक के परिजनों को भी आरोपी बनाया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे

हैं। पुलिस के मुताबिक 27 वर्षीय युवती मूलतः रायसेन की रहने वाली है। फिलहाल वह श्यामला हिल्स इलाके में रहती है और प्राइवेट काम करती है। फिलहाल पुलिस ने मामले में आरोपी युवक समेत चार आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार करीब पांच साल पहले वह पढ़ाई के लिए भोपाल आई थी। बस में सफर के दौरान उसकी मुलाकात प्रशांत नामक युवक से हुई थी। प्रशांत भी रायसेन का रहने वाला है और भोपाल में नौकरी करता है। एक ही इलाके का होने के कारण उनके बीच दोस्ती हो गई। जुलाई 2019 में घुमाने के बहाने प्रशांत उक्त युवती को रातीबड़ इलाके में ले गया और वहां जंगल में उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर उसने जल्द ही शादी करने का वादा कर लगातार दैहिक शोषण करने लगा। युवती जब गर्भवती हो गई तो प्रशांत और उसके परिजन ने उसका गर्भपात करवा दिया था। पिछले दिनों युवती ने जब शादी के लिए दबाव बनाया तो प्रशांत ने शादी करने से इनकार कर दिया। पुलिस ने आरोपी प्रशांत, दो महिलाएं और एक युवक के खिलाफ केस दर्ज किया है।

आलेख

मोदी सरकार के लिए विपक्ष की अवहेलना करना आसान नहीं

तीसरी बार केंद्र में सत्ता में आई भाजपा गठबंधन सरकार के लिए इस बार विपक्ष की अवहेलना करना आसान नहीं होगा। मजबूत विपक्ष के कारण केंद्र सरकार को अपना रवैया पिछले कार्यकाल की तुलना में नरम रखना होगा। इसका प्रमाण भी लोकसभा में मिल गया। विपक्ष ने जिस तरह के तेवरों से आगाज किया है, सत्तारुढ़ दल उस तरह प्रतिरोध नहीं कर पाया जिस तरह पहले और दूसरे कार्यकाल में किया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी पिछले कार्यकाल की तुलना में इस बार की शुरुआत सामंजस्य बिठाने से की है। पिछले कार्यकाल में मणिपुर के मुद्दे को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ने 141 सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया था। विपक्ष उस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सदन में बयान देने की मांग कर रहा था। इसे सत्ता पक्ष ने मंजूर नहीं किया। सदन में कई दिनों तक हंगामे की स्थिति बनी रही। इस पर अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष के सदस्यों को निलंबित कर दिया। विपक्ष का आरोप था कि प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर की वीभत्स घटनाओं और लगातार होती हिंसा के बावजूद सार्वजनिक बयान देने से कतरा रहे हैं। पीएम मोदी ने मणिपुर की घटना का लोकसभा और सार्वजनिक मंचों का जिक्र तक नहीं किया। इस बार भाजपा गठबंधन सरकार का ऐसी स्थितियों से बचना आसान नहीं होगा। मजबूत विपक्ष की घेराबंदी से सरकार को ऐसे सार्वजनिक मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का भारी दवाब होगा।लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर और भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब द्वारा 18वीं लोकसभा के लिए निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाए जाने के दौरान एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने शपथ लेने के बाद नारा लगाया– जय भीम, जय तेलंगाना और फिर जय फलिस्तीन कहा। फिर उन्होंने अल्लाह–ओ–अकबर के भी नारे लगाए। इस पर भाजपा के कई सदस्यों ने आपत्ति जाहिर की। उन्होंने विरोध दर्ज करवाया। इस पर प्रोटेम स्पीकर ने कहा कि अगर ओवैसी ने कोई आपत्तिजनक बात कही है उसे कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटा दिया जाएगा। ओवैसी हैदराबाद से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। वह पांचवी बार सांसद बने हैं। विवाद के बाद ओवैसी ने सफाई दी और कहा कि फिलीस्तीन बोलना संविधान के खिलाफ कैसे है। भाजपा सांसद जी किशन रेड्डी का काम ही विरोध करना है। भाजपा के पिछले कार्यकाल के दौरान यदि ओवैसी इस तरह शपथ लेते तो निश्चित तौर पर उन्हें भाजपा सांसदों का भारी विरोध सहना पड़ता, जोकि इस बार इस बार साामन्य नजर आया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को सदन में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आधिकारिक रूप से मान्यता दे दी। राहुल गांधी का नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नौ जून, 2024 से प्रभावी रहेगा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने मंगलवार को लोकसभा के कार्यवाहक अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) भर्तृहरि महताब को पत्र भेजकर कांग्रेस के इस फैसले के बारे में उन्हें अवगत कराया था कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष होंगे। राहुल गांधी ने कहा कि उनके लिए यह अधिकारों की लड़ाई लडने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का नेता सिर्फ एक पद नहीं है, यह आपकी आवाज बनकर आपके हितों और अधिकारों की लड़ाई लडने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। लोकसभा के पिछले कार्यकाल में कांग्रेस की लगातार मांग के बावजूद संख्या बल का हवाला देते हुए मोदी सरकार ने नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति नहीं की थी। 17 वीं लोकसभा में पर्याप्त संख्या बल नहीं होने पर लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद रिक्त रहा। नेता प्रतिपक्ष की सदन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका और संवैधानिक अधिकार होते हैं। इनमे कटौती करना सत्तारुढ़ दल के लिए संभव नहीं है। यह एक सम्मानीय पद है। राहुल गांधी के लिए भाजपा जिस तरह का वक्तव्य हर वक्त इस्तेमाल करती रही है, वह अब संभव नहीं होगा। नेता प्रतिपक्ष की हैसीयत सत्तारुढ़ दल के नेता से कम नहीं होती। राहुल गांधी सदन में विपक्ष की आवाज उठाते हुए नजर आने वाले हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों ने बहुत

कुछ बदलकर रख दिया है। राहुल गांधी के तौर पर पूरे दस सालों बाद सदन के भीतर विपक्ष को अपना सेनापति मिला है. 2014 में सत्ता से बेदखल होने के बाद कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष का पद मिला है, क्योंकि पिछले दस सालों से पार्टी के पास इस पद को पाने के लिए जरूरी 54 सीटें तक नहीं थीं। इस बार कांग्रेस के पास लोकसभा में 99 सीटें हैं और इसीलिए 20 साल लंबे राजनीतिक करियर में राहुल गांधी को पहली बार संवैधानिक पद मिला है। हालांकि, राहुल के लिए आगे का सफर आसान नहीं होगा। विपक्ष के सेनापति के तौर पर और संवैधानिक पद पर होने की वजह से राहुल गांधी को कई जिम्मेदारियां निभानी हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नेता विपक्ष बनने पर बधाई मिल रही है, लेकिन विपक्ष के नेता ये भी कह रहे हैं कि पूरे गठबंधन के हितों का ध्यान रखा जाए। नेता प्रतिपक्ष न सिर्फ अपनी पार्टी को बल्कि पूरे विपक्ष का नेतृत्व करता है। नेता प्रतिपक्ष कई जरूरी नियुक्तियों में पीएम के साथ बैठता है। मतलब ये कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी साथ मिलकर कई फैसले लेंगे। दोनों के राय से फैसले लिए जाएंगे। चुनाव आयुक्त, केंद्रीय सतर्कता आयोग के अध्यक्ष, मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष इन सभी पदों का चयन एक पैनल के जरिए किया जाता है, जिसमें प्रधानमंत्री और नेता विपक्ष शामिल रहते हैं। अब तक राहुल गांधी कभी भी मोदी के साथ किसी पैनल में शामिल नहीं हुए हैं। राहुल गांधी भारत सरकार के खर्चों की जांच करने वाली लोक लेखा समिति के अध्यक्ष होंगे। राहुल सरकार के कामकाज की लगातार समीक्षा करेंगे। वह ये जानने की कोशिश करेंगे कि सरकार कहां पर कितना पैसा खर्च कर रही है। राहुल गांधी दूसरे देशों के राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री को राष्ट्रीय मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण देने के लिए भारत बुला सकते हैं। मतलब कि अगर वह किसी मुद्दे पर विदेशी मेहमानों से चर्चा करना चाहें तो वह ऐसा कर पाएंगे। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों के प्रमुखों के चयन में भी अहम भूमिका निभाने वाले हैं। वह पिछले 10 साल से इन एजेंसियों पर काफी आरोप लगाते आए हैं। नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल को पद भी मिला है और उनका कद भी बढ़ गया है।

संपादकीय

अब भारत को विभिन्न क्षेत्रों में अपने सूचकांक तैयार करना चाहिए

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की भिन्न भिन्न क्षेत्रों में रेटिंग तय करने की दृष्टि से वित्तीय एवं विशिष्ट संस्थानों द्वारा सूचकांक तैयार किए जाते हैं। हाल ही के समय में इन विदेशी संस्थानों द्वारा जारी किए गए कई सूचकांकों में भारत की स्थिति को संभवत जान बूझकर गलत दर्शाया गया है। इन सूचकांकों में पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं अफ्रीका के गरीब देशों की स्थिति को भारत से बेहतर बताया गया है। उदाहरण के लिए अभी हाल ही में पश्चिमी देशों द्वारा जारी किए गए तीन सूचकांकों की स्थिति देखिए। सबसे पहिले उदार (लिबरल) लोकतंत्र सूचकांक में भारत की रैंकिंग को 104 बताया गया है और भारत के ऊपर निजेर देश को बताया गया है। इसी प्रकार, आनंद (हैपीनेस) सूचकांक में भी भारत का स्थान 126वां बताया गया है जबकि पाकिस्तान को 108वां स्थान मिला है, जहां अत्यधिक मुद्रा स्फीति के चलते वहां के नागरिक अत्यधिक त्रस्त हैं। एक अन्य, प्रेस की स्वतंत्रता नामक सूचकांक में भारत को 161वां स्थान मिला है जबकि इस सूचकांक में कुल मिलाकर 180 देशों को शामिल किया गया है और अफगानिस्तान को 152वां स्थान दिया गया है, अर्थात इस सर्वे के अनुसार, अफगानिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता भारत की तुलना में अच्छी पाई गई है। पश्चिमी देशों में स्थिति इन संस्थानों द्वारा इस प्रकार के सूचकांक तैयार किए जाकर पूरे विश्व को भ्रमित किए जाने का प्रयास हो रहा है। इसी प्रकार, भारत में हाल ही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनावों पर भी पश्चिमी देशों ने कई प्रकार के सवाल खड़े करने के प्रयास किए थे। जैसे, इस भीषण गर्मी के मौसम में चुनाव क्यों कराए गए हैं, जिससे सामान्यजन वोट डालने के लिए घरों से बाहर ही नहीं निकले, ईवीएम मशीन में कोई खराबी तो नहीं है, आदि। परंतु, भारतीय मतदाताओं ने इन लोक सभा चुनावों में भारी संख्या में भाग लेकर पश्चिमी देशों को करारा जवाब दिया है। न ही, ईवीएम मशीन में किसी प्रकार की गड़बड़ी पाई गई और न ही गर्मी का प्रभाव चुनावों पर पड़ा। हालांकि सत्ताधारी दल को पिछले चुनाव की तुलना में कुछ कम स्थान जरूर प्राप्त हुए हैं परंतु देश में किसी भी प्रकार की कोई घटना घटित नहीं हुई है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव सामान्यत: शांति के साथ सम्पन्न हो गए। साथ ही, विपक्षी दलों को पिछले चुनाव की तुलना में कुछ अधिक स्थान मिले हैं और उन्होंने भी चुनाव के परिणामों को स्वीकार कर लिया है। चुनाव की प्रक्रिया पर कोई सवाल खड़ा नहीं किया गया है। इस सबके बावजूद पश्चिमी देशों ने पश्चिमी लोकतंत्र सूचकांक में वर्ष 2014 में भारत को 27वां स्थान दिया था।

एक भी पेड़ काटा तो खैर नहीं: आलोक शर्मा

सांसद बोले : पेड़ काटकर डेवलपमेंट नहीं करने देंगे; ऐसे प्रस्ताव पास नहीं करेंगे

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के तुलसीनगर और शिवाजी नगर में 29 हजार पेड़ काटकर मंत्री-विधायकों के बंगले बनाने की योजना थी। जिसे आमजनों के विरोध के बाद भले ही कैंसिल कर दिया गया हो, लेकिन सांसद आलोक शर्मा ने इसी मुद्दे पर अफसरों को चेताया है। शनिवार को उन्होंने कहा कि पेड़ काटकर डेवलपमेंट नहीं होने देंगे। ऐसे प्रस्ताव पास नहीं करेंगे। एक पेड़ भी काटा तो खैर नहीं होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर %एक पेड़ मां के नाम% कैंपेन के तहत भोपाल सांसद शर्मा भी अपनी मां विद्या शर्मा के साथ ईदगाह हिल्स स्थित कैंसर हॉस्पिटल ग्राउंड में पौधारोपण किया। भारतीय नागरिकता मिलने वाली छात्रा संजना मेलवानी ने भी अपने परिवार के साथ पौधे रोपे। इस दौरान सभी वर्ग के लोग मौजूद थे। सांसद ने ग्रीन भोपाल क्लीन भोपाल का संकल्प भी दिलाया।

अफसरों को सद्बुद्धि के लिए पौधा भेंट करुंगा

कार्यक्रम में सांसद शर्मा ने कहा कि बिना जनप्रतिनिधियों को भरोसे में लिए भोपाल में एक भी पेड़ काटा तो खैर नहीं होगी। अब भोपाल का बेटा आपके साथ है। बिना जनप्रतिनिधियों को कॉन्फिडेंस में लिए कोई कार्य योजना बनी तो ऐसे अफसरों की खैर नहीं। यह मेरी समझाइश भी है, चेतावनी भी है। जिन अफसरों ने 29 हजार पेड़ काटने का प्रस्ताव बनाया था, उन्हें सद्बुद्धि देने के लिए में उन्हे पौधा भेंट करुंगा। ताकि, भविष्य में ऐसी नुकसानदायक योजना न बनाए। जिससे सरकार की छवि खराब हो।

पेड़ काटने का यह था मामला

भोपाल के तुलसी नगर और शिवाजी नगर में हजारों पेड़ काटे जाने का मामला इस महीने सुर्खियों में रहा है। इस मुद्दे पर कांग्रेस भी मैदान में उतर गई थी। वहीं, आम लोगों ने पेड़ों से चिपककर आंदोलन किया था। इस जगह पर मंत्री-विधायकों और अफसरों के बंगले बनाने की योजना सरकार की है। विरोध प्रदर्शन के बाद 12 जून को नगरीय प्रशासन एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने इस योजना को कैंसिल कर दिया था। उन्होंने सोशल मीडिया ङ्क पर इसकी जानकारी दी थी। लिखा था कि नए भोपाल के पुनर्घनत्वीकरण योजना के पर्यावरण संरक्षण एवं क्षेत्र में मौजूदा वृक्षों को देखते हुए प्रस्ताव को अस्वीकृत कर दिया है। साथ ही अन्य वैकल्पिक स्थानों के परीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। इसके बाद हाउसिंग बोर्ड ने भी प्रस्ताव को निरस्त करने के आदेश जारी कर दिए थे।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441

संजीव कुमार (ब्यूरो प्रभारी भोपाल) 08224965455

email: newscrimefile@yahoo.com

दो दिन से भोपाल में भर्ती थे; सीएम डॉ. मोहन यादव अस्पताल मिलने पहुंचे

प्रभात झा दिल्ली एयरलिफ्ट

न्यूज क्राइम फाइल

बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा की तबीयत बिगड़ गई। उनको एयरलिफ्ट कर दिल्ली ले जाया गया। उन्हें गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले सीएम डॉ. मोहन यादव ने बीजेपी के प्रदेश महामंत्री हितानंद शर्मा के साथ बंसल अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल पूछा था। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी अस्पताल पहुंचे और डॉक्टरों से झा के स्वास्थ्य के संबंध में चर्चा की थी। बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा के बेटे अयत्न झा ने बताया कि पिताजी के सभी ऑर्गन्स अच्छे से काम कर रहे हैं। रिपोर्ट्स भी ठीक हैं। लेकिन रात में दिमागी बुखार आया था, इसी वजह से एहतियात के तौर पर मेदांता शिफ्ट किया है। उनका रूटीन ट्रीटमेंट भी मेदांता में ही चलता है।

दो दिनों से निजी अस्पताल में एडमिट थे झा

बीजेपी नेताओं की मानें तो प्रभात झा को न्यूरोलॉजिकल परेशानियों के चलते बंसल अस्पताल में दो दिन पहले एडमिट किया गया था। उन्हें आज सुबह करीब 11 बजे भोपाल से दिल्ली के लिए एयर एंबुलेंस के जरिए भेजा गया है। उन्हें गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में एडमिट कराया है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार सुबह प्रभात झा से मिलने बंसल अस्पताल पहुंचे।

डेढ़ साल के बच्चे को सांप ने काटा, मौत

न्यूज क्राइम फाइल

खजूरी थाना इलाके में सांप के काटने से 18 महीने के बच्चे की मौत हो गई है। यह घटना तब हुई जब बच्चा अंदर कमरे में खेल रहा था, डॉक्टर के यहां ले जाने पर बच्चे को मृत घोषित कर दिया। यहां पर डॉक्टर ने हाथ पर सांप के काटे जाने का निशान दिखाया। पुलिस के जांच अधिकारी करण सिंह ने बताया शव का पोस्टमार्टन करवाकर शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने बताया कि बच्चे के पिता विद्यासागर ड्राइविंग का काम करते हैं, जब घटना हुई तब वह आंगन में बाहर बैठे थे। करण सिंह ने बताया कि यह घटना सुबह 10 बजे की है, जब आर्यन (18) अंदर खेल रहा था, रोने की आवाज आने पर माता पिता तुरंत ही आर्यन को अस्पताल लेकर गए, जहां पर उसे मृत घोषित कर दिया, हाथ पर सांप के काटे जाने जैसा निशान देखकर संदेह हुआ है कि इसे सांप ने काटा होगा, यह परिवार उमाधाम कॉलोनी में रहता है जहां पर आसपास कई खेत भी बने हैं, इससे पूरी संभावना जताई जा सकती है कि किसी खेत से सांप आसानी से अंदर आ गया होगा।

16 जून को भी आया था एक मामला सामने

राजधानी भोपाल के गोविंदपुरा क्षेत्र में रहने वाली 6 वर्ष की मासूम बच्ची को 16 जून सुबह लगभग 4 बजे सोते समय बाएं पैर में जहरीले सर्प ने डस लिया। जिसके बाद बच्ची को कस्तूरबा अस्पताल में ले गए, जहां सुविधा के अभाव में निजी अस्पताल रोशन में रेफर कर दिया गया। यहां भी ठीक से इलाज नहीं हो रहा था तो परिजनों ने तुरंत हमीदिया अस्पताल ले जाने का निर्णय लिया। तब तक बच्ची काफी सीरियस हो चुकी थी। हमीदिया अस्पताल पहुंचते ही बच्ची को वेंटिलेटर में रखा गया और अस्पताल की टीम ने बच्ची का इलाज शुरू कर दिया। दो दिन तक बेहोशी की हालत में बच्ची को वेंटिलेटर पर रखना पड़ा। इसके बाद धीरे-धीरे बच्ची ठीक होने लगी अब बच्ची लगभग ठीक है, हालांकि अभी अस्पताल में भर्ती है।

फोटो कैप्शन

निज निवास पर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने मंत्रिपरिषद के कर्मठ साथी श्री गौतम टेटवाल जी से सौजन्य भेंट की।

भारत चैंपियन है...

17 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप जीता; अफ्रीका जीती हुई ट्रॉफी हार गई, नहीं मिटा चोकर्स का दाग

न्यूज क्राइम फाइल

इंडिया में आधी शनिवार रात दिवाली मनी रोहित शर्मा की टीम ने वो सपना पूरा कर दिया, जिसका 17 साल से पूरा होने का इंतजार था। साउथ अफ्रीका 177 का टारगेट आसानी से पूरा कर रही थी। लेकिन, गेंदबाजों को ये मंजूर नहीं था। साउथ अफ्रीका के हाथों से जीत छीन ली। टी-20 वर्ल्ड कप इंडिया का है। जीत का हीरो कोई एक नहीं पूरी इंडियन टीम है। सूर्यकुमार का वो कैच तो शायद दशकों तक याद रखा जाएगा, जिसकी बदौलत मिलर पवेलियन लौटे। टीम इंडिया ने 17 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप जीता है। टीम ने 2007 में पहला वर्ल्ड कप जीता था। इसी के साथ भारतीय टीम ने आईसीसी ट्रॉफी के 11 साल के सूखे को खत्म कर दिया। भारत ने आखिरी आईसीसी टूर्नामेंट 2013 में जीता था। बारबडोस से स्टेडियम में इंडिया ने पहले बैटिंग चुनी थी। पावरप्ले में रोहित शर्मा, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार के विकेट गिर गए थे। कोहली ने 76 और अक्षर पटेल ने 47 रन की पारी खेली। शिवम दुबे ने तेज रफ्तार से 27 रन बनाकर स्कोर 176 तक पहुंचाया। साउथ अफ्रीकी स्पिनर केशव महाराज और एनरिक नॉर्त्या ने 2-2 विकेट लिए। कगिसो रबाडा और मार्को यानसन ने एक-एक विकेट लिया। रन चेज में साउथ अफ्रीकी टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 169 रन बना सकी। हार्दिक पंड्या ने 3 विकेट झटके। जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह ने 2-2 विकेट लिए। हेनरिक क्लासन ने 27 बॉल पर 52 रन बनाए, जबकि डी कॉक ने 31 बॉल पर 39 रन की पारी खेली। ट्रिस्टन स्टब्स ने 21 बॉल पर 31 और मिलर ने 17 बॉल पर 21 रन का योगदान दिया।

11 साल से कोई आईसीसी ट्रॉफी नहीं जीती, हर कोई बोल रहा था हम चोकर्स हैं। हम चोकर्स नहीं... चैंपियन हैं। 2011 के बाद इंडिया ने 5 फाइनल खेले, पिछले वनडे वर्ल्ड कप में तो जीतते-जीतते हार गए। इस बार रोहित की टीम ने ऐसा फाइनल जीता, जिस फाइनल में हर कोई सोच रहा था कि इंडिया जीत नहीं सकती। टी-20 में 30 बॉल पर 30 रन होते क्या हैं, लेकिन इंडियन गेंदबाजों ने, इंडियन फील्डर्स ने, रोहित की कप्तानी ने ये साबित कर दिया कि जीत के लिए रन नहीं, जज्बा चाहिए।

टीम इंडिया ने अपने चोकर्स का दाग हटाया...

भारत ने 2007 में पहला ही टी-20 वर्ल्ड कप अपने नाम किया, टीम ने फाइनल में पाकिस्तान को 5 रन से हराकर ट्रॉफी जीती। इसके बाद टीम ने 7 और टी-20 वर्ल्ड कप खेले। 3 बार टीम नॉकआउट स्टेज यानी सेमीफाइनल और फाइनल तक पहुंची, लेकिन खिताब से चूक गई। 2014 में भारत ने साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल में हराया, लेकिन श्रीलंका से फाइनल गंवाना पड़ा। 2016 में अपने ही घरेलू मैदान पर भारत नॉकआउट में पहुंचा, लेकिन वेस्टइंडीज से सेमीफाइनल हार गई। 2022 में टीम आखिरी बार नॉकआउट में पहुंची, लेकिन इस बार इंग्लैंड ने 10 विकेट से हरा दिया। इस बीच 2009, 2010, 2012 और 2021 में टीम ग्रुप स्टेज भी पार नहीं कर सकी। अब इसी फॉर्मेट के वर्ल्ड कप में भारत ने तीसरा फाइनल खेला और इस बार ट्रॉफी जीतकर अपने आईसीसी खिताब का सूखा भी खत्म कर दिया। अब बात साउथ अफ्रीका की। पहला फाइनल मैच हाथ में ही था। क्लासन 27 बॉल पर 52 रन बना चुके थे, सबसे खतरनाक फिनिशर डेविड मिलर भी क्रीज पर थे। साउथ अफ्रीका ने जीत का जश्न मनाना शुरू कर दिया था, लेकिन बुमराह-अर्शदीप के 2-2 और हार्दिक के 3 ओवर बाकी थे। तीनों ने हार को जीत में बदल दिया। 32 साल बाद उम्मीद थी कि साउथ अफ्रीका माथे से चोकर्स का दाग धुल डालेगी, लेकिन टीम 177 रन का टारगेट चेज नहीं कर पाई। 7 रन से हार गई। उसका इतिहास बदला नहीं, पहले भी चोकर्स थी, आज भी वही साबित हुई।

वनडे वर्ल्ड कप में 5 सेमीफाइनल गंवाए

साउथ अफ्रीका ने आईसीसी का बैन हटने के बाद 1992 में पहली बार वनडे वर्ल्ड कप खेला। टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और सेमीफाइनल में जगह बनाई, लेकिन इंग्लैंड से हार गए। 1996 से 2015 तक टीम 6 में 5 बार नॉकआउट राउंड में पहुंची, लेकिन कभी क्वार्टर फाइनल तो कभी सेमीफाइनल हारकर बाहर हो गई। 2003 और 2019 में टीम नॉकआउट राउंड में नहीं पहुंच सकी। 2023 में साउथ अफ्रीका ने फिर कमबैक किया और सेमीफाइनल खेला, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से हार गए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम ने यह वनडे वर्ल्ड कप तीसरा सेमीफाइनल गंवाया था। इसके अलावा टीम 2 बार न्यूजीलैंड और एक-एक बार वेस्टइंडीज और इंग्लैंड से नॉकआउट हारी है। टीम ने एकमात्र नॉकआउट मैच 2015 में जीता, तब साउथ अफ्रीका ने क्वार्टर फाइनल में श्रीलंका को हराया था।

चैंपियंस ट्रॉफी में इकलौती जीत मिली

1998 में आईसीसी ने पहली बार चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में अपना दूसरा 50-ओवर टूर्नामेंट शुरू किया। इसका नाम कभी विल्स इंटरनेशनल तो कभी नॉकआउट ट्रॉफी हुआ, लेकिन अब इसे चैंपियंस ट्रॉफी के नाम से पहचाना जाता है। साउथ अफ्रीका ने इसमें शानदार प्रदर्शन किया और लगातार 3 नॉकआउट मैच जीतकर ट्रॉफी भी उठाई। जैक्स कैलिस प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने। यह साउथ अफ्रीका की सीनियर क्रिकेट टीम का पहला और आखिरी ड्डष्टष्ट खिताब रहा। इसके बाद टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी में 7 बार हिस्सा लिया, लेकिन खिताब तो दूर फाइनल में पहुंचना भी नसीब नहीं हुआ। टीम ने 2000 और 2002 में भारत से लगातार 2 सेमीफाइनल गंवाए। 2006 में वेस्टइंडीज और 2013 में इंग्लैंड ने उन्हें सेमीफाइनल हराकर बाहर किया। साउथ अफ्रीका 2004, 2009 और 2017 में तो ग्रुप स्टेज भी पार नहीं कर सकी। पहले खिताब के बाद टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी में 5 नॉकआउट मैच खेले, 4 सेमीफाइनल गंवाए। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ एकमात्र क्वार्टर फाइनल भी साल 2000 में जीता। यानी टीम वर्ल्ड कप में 32 साल तो वहीं चैंपियंस ट्रॉफी में 26 साल से चोक कर रही है।

भोपाल ईडी ने 26.53 करोड़ की प्रॉपर्टी की कुर्क

नारायण निर्यात इंडिया कंपनी पर लिया एक्शन, बैंक से लिया लोन डायवर्ट कर करते रहे खरीदारी

न्यूज क्राइम फाइल

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भोपाल ने नारायण निर्यात इंडिया कंपनी और उससे जुड़े दूसरे संस्थानों की 26.53 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी को कुर्क किया है। ईडी ने यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत की है। इससे पहले सीबीआई भोपाल ने नारायण निर्यात इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एनएनआईपीएल) के डायरेक्टर कैलाश चंद्र गर्ग एवं उनके सहयोगियों के खिलाफ केस दर्ज कर कोर्ट में चालान पेश किया था। ईडी अफसरों ने बताया- ने डायरेक्टर कैलाश चंद्र गर्ग एवं अन्य ने यूको

बैंक से ग्रुप की विभिन्न कंपनियों के अलग-अलग प्रोजेक्ट के लिए 110.50 करोड़ रुपए का लोन लिया था। इस लोन अमाउंट का उपयोग एनएनआईपीएल के डायरेक्टर एवं उनके सहयोगियों ने दूसरे प्रोजेक्ट्स में किया। साथ ही लोन में मिली राशि को खुद की सुविधाओं पर खर्च किया। इसके अलावा लोन मंजूर कराने के लिए कंपनी ने फर्जी दस्तावेज बैंक को दिए। यह खुलासा सीबीआई भोपाल की जांच में हुआ था। जांच रिपोर्ट के आधार पर सीबीआई ने एनएनआईपीएल के डायरेक्टर कैलाश चंद्र गर्ग एवं उनके सहयोगियों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया था। केस की जांच में खुलासा हुआ कि बैंक से कंपनी के प्रोजेक्ट के लिए मंजूर हुई लोन राशि का उपयोग संचालकों ने दूसरे प्रोजेक्ट में किया है। जो मनी लॉन्ड्रिंग है। इसके चलते कंपनी के संचालक गर्ग व अन्य डायरेक्टर्स के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था।

मप्र और महाराष्ट्र में कंपनी की 34 प्रॉपर्टी ज सभी कुर्क

ईडी अफसरों ने बताया कि एनएनआईपीएल की मप्र के इंदौर, जौरा, नीमच और महाराष्ट्र के अकोला में कंपनी की अलग-अलग नाम से कंपनी और प्रॉपर्टी है। यह कंपनी और प्रॉपर्टी एनएनआईपीएल के संचालक कैलाश चंद्र गर्ग और उनके सहयोगियों ने यूको बैंक से मिले लोन से बनाई हैं। इसके चलते ग्रुप की मप्र और महाराष्ट्र स्थित 34 प्रॉपर्टी को कुर्क किया है।

10 दिन पहले ईडी ने दर्ज किया था एनएनआईपीएल के खिलाफ केस

ईडी भोपाल के अफसरों ने बताया कि एनएनआईपीएल के डायरेक्टर कैलाश चंद्र गर्ग एवं उनके साथियों के खिलाफ 10 दिन पहले 18 जून को मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया था। मामले की जांच के बाद गुरुवार देर शाम ईडी ने एनएनआईपीएल की प्रॉपर्टी कुर्क करने की कार्रवाई की है।

सड़क हादसे में भोपाल की महिला की मौत

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल की रहने वाली महिला की पिछोर में सड़क हादसे में मौत हो गई। महिला पति के साथ बाइक से गुरुवार की शाम को घर से निकली थी। पिछोर स्थित बांसखेड़ी में बाइक को डंपर ने पीछे से जोरदार टक्कर मारी थी। दोनों को वहीं के प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। घायल पति और पत्नी को इलाज के लिए परिजन शुक्रवार सुबह हमीदिया अस्पताल ले आए। यहां पत्नी को मृत घोषित कर दिया गया।लक्ष्मी प्रजापति (19) शंकर नगर छोला की रहने वाली थी। तीन महीने पहले उसकी शादी शुभम राठौर निवासी पिछोर से हुई थी। शादी के बाद बीते एक महीने से वह मायके में मेहमानी में रह रही थी। उसकी बहन राखी ने बताया कि एक महीने बाद जीजा जी दो दिन पहले भोपाल आए थे। यहां दो दिन तक घूमने फिरने के बाद गुरुवार की शाम को बहन और जीजा बाइक पर सवार होकर घर से निकले थे। पिछोर स्थित बहन के ससुराल के करीब बांसखेड़ी में डंपर ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी। इससे लक्ष्मी गंभीर रूप से घायल हो गई थी। हादसे की सूचना के बाद

रिश्तेदार इलाज के लिए उसे भोपाल लाने के लिए रवाना हुए। शुक्रवार तड़के सुबह बहन और जीजा को भोपाल ले आए। यहां डॉक्टरों ने चेक कर लक्ष्मी को मृत घोषित कर दिया। रास्ते में ही उसकी मौत हो चुकी थी।

पहली बार ससुराल आया था युवक

मृतका का पति शुभम अपने गांव में खेती किसानी का काम करता है। पहली बार ससुराल में आने के बाद दो दिन तक भोपाल के टूरिस्ट प्वाइंट्स को घूमा। पत्नी को जमकर शॉपिंग कराई। लक्ष्मी को परिजनों ने नम आंखों के साथ गुरुवार को उसे विदाई थी। ससुराल पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। पिछोर पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी डंपर चालक की तलाश की जा रही है।

पिता बोले- नाश्ते करते हुए कॉल पर बात की थी

मृतका के पिता बने सिंह प्रजापति ने बताया कि बेटी-दामाद ने घर से निकलने के बाद तूमड़ा गांव में चाय नाश्ता किया था। तब बेटी ने कॉल कर जानकारी दी कि हल्की बारिश हो रही है। अच्छा लग रहा है। आसानी से सफर पूरा हो जाएगा। आप लोग परेशान मत होना, इसके बाद सीधे उसकी मौत की खबर आई। ऐसा लग रहा है कि हमारा तो सभी कुछ मिट चुका है। डंपर वाले ने ओवरटेक करने के प्रयास किया था, इससे दामाद की बाइक में टक्कर लग गई।

पड़ोसी निर्वस्त्र हुआ, महिला ने की खुदकुशी

न्यूज क्राइम फाइल। इंदौर के एरोड्रम इलाके में एक महिला ने खुदकुशी कर ली। परिवार का आरोप है कि गुरुवार रात को गाड़ी हटाने को लेकर विवाद में पड़ोसी ने पीड़िता और उसके पति के साथ मारपीट की थी। इसके बाद वह महिला के सामने निर्वस्त्र हो गया था। इससे परेशान होकर महिला ने शुक्रवार सुबह फांसी लगा ली। सुसाइड नोट में उसने पड़ोसी और उसकी पत्नी समेत 3 लोगों को जिम्मेदार बताया है। महिला के बेटे ने बताया, %पड़ोसी जय प्रकाश शर्मा रोजाना हमारे घर के सामने गाड़ी खड़ी करते हैं। कल रात भी ऐसा ही किया। मां जब गाड़ी हटाने लगी तो वह उनके पैर पर गिर गई। मां को चोट आ गई। उन्होंने उलाहना दिया तो जय प्रकाश की पत्नी बाहर आकर विवाद करने लगीं। उन्होंने मां को गालियां दीं। जय प्रकाश शर्मा पेशे से इलेक्ट्रिशियन है जबकि महिला का पति ऑटो चलाता है। वह पत्नी-बच्चों से अलग रहता है। महिला ने सुसाइड नोट में अपने पड़ोसी जयप्रकाश, उसकी पत्नी पूजा और एक अन्य महिला कृष्णा का नाम लिखा है। उसने लिखा- मैं अपने पड़ोसी जयप्रकाश और उसकी पत्नी पूजा से तंग आकर आत्महत्या कर रही हूं। दोनों ने मिलकर मुझे बीच रोड पर मारा है। मुझे अब जीने की इच्छा नहीं है। महिला के भांजे ने बताया, रात को हमें सूचना मिली थी कि मौसी का पड़ोसी से विवाद हो गया है। इस पर मामा भी वहां पहुंचे थे।

नाबालिग ने प्रोफेशनल किलर जैसे कराया डबल मर्डर

भाई-पिता की हत्या की आरोपी पर क्या बालिग की तरह केस चलेगा

न्यूज क्राइम फाइल

जबलपुर पुलिस कोर्ट में अर्जी देने वाली है कि डबल मर्डर केस की नाबालिग आरोपी को बालिग मानकर मुकदमा चलाया जाए। रेलवे अधिकारी राजकुमार विश्वकर्मा की नाबालिग बेटी, अपने पिता और 8 साल के भाई तनिष्क की 15 मार्च को हत्या कर प्रेमी मुकुल सिंह के साथ फरार हो गई थी। 75 दिन बाद 29 मई को पुलिस नाबालिग को हरिद्वार से अभिरक्षा में लेकर जबलपुर पहुंची। दो दिन बाद मुकुल सिंह ने भी थाने में सरेंडर कर दिया। पुलिस ने दोनों से पूछताछ की। इसके बाद नाबालिग को शहडोल के बाल सुधार गृह भेज दिया गया। मुकुल सिंह ज्यूडिशियल कस्टडी में है। अब पुलिस इस मामले में जल्द ही चालान पेश करने वाली है। दोनों से पूछताछ के बाद पुलिस का मानना है कि नाबालिग लड़की की उम्र भले ही 17 साल 3 माह है लेकिन उसने हत्या की वारदात को अंजाम देने में मुकुल सिंह की पूरी मदद की है। 15 मार्च को राजकुमार विश्वकर्मा और उनके 8 साल के बेटे तनिष्क की हत्या करने के बाद मुकुल और नाबालिग लगातार अपना मूवमेंट बदलते रहे। जबलपुर एसपी आदित्य प्रताप सिंह के मुताबिक, पूछताछ में मुकुल ने बताया कि गैस कटर से बॉडी के छोटे-छोटे टुकड़े करके बैग में ले जाने का प्लान था। उन्हें हत्या के बाद समझ आया कि बॉडी के टुकड़े और डिस्पोज करना आसान नहीं होगा इसलिए उसे प्लास्टिक से कवर कर दिया। घर में सुगंधित अगरबत्ती लगा दी ताकि बदबू न आए। तनिष्क को मारने के बाद उसे पॉलीथिन से पैक कर फ्रिज में रख दिया। एसपी के मुताबिक, नाबालिग पूरी तरह से हत्या की प्लानिंग में शामिल थी। पुलिस ने ऐसे पांच पॉइंट गिनाए हैं...

■वारदात से दो दिन पहले ही दोनों की मुलाकात हुई थी, उसी दौरान उन्होंने हत्या की योजना बनाई।

■नाबालिग ने ही मुकुल को पिता के डेली रूटीन की जानकारी दी, इसी से मुकुल ने हत्या की प्लानिंग की।

■14 मार्च की रात मुकुल को घर में एंट्री दिलाने के लिए नाबालिग ने ही घर का पिछला दरवाजा खोला था। रात 2 बजे मुकुल घर में आकर छिप गया था।

■सुबह करीब 7 बजे मुकुल ने पहले राजकुमार और फिर तनिष्क पर हमला किया। कुल्हाड़ी तनिष्क के सिर में फंसी थी। राजकुमार की हल्की सांसें चल रही थी तो मुकुल ने नाबालिग को कुल्हाड़ी लाने को कहा। लड़की ने भाई के सिर में फंसी खून से सनी कुल्हाड़ी लाकर मुकुल को दी।

■सुबह 9 बजे जब दूध वाला आया तो नाबालिग ने ही दरवाजा खोलकर दूध लिया और दरवाजा बंद कर अंदर चली गई।

बघेल कहते हैं कि एक्ट में ये भी प्रावधान है कि 16 साल या उससे अधिक उम्र का किशोर यदि जघन्य अपराध करता है तो उसे वयस्क मानकर कानूनी कार्रवाई की जाए और उस पर सक्षम न्यायालय में मुकदमा चलाया जाए। वे कहते हैं- ये जुवेनाइल बोर्ड तय करता है कि नाबालिग को वयस्क माना जाए या नहीं? इसके लिए बोर्ड में शामिल विशेषज्ञ नाबालिग की अपराध की दशा, उसकी मानसिक स्थिति का परीक्षण करते हैं। इसके लिए एक प्रश्नावली होती है। इसके आधार पर नाबालिग का परीक्षण होता है। परीक्षण के बाद बोर्ड अपनी रिपोर्ट देता है। बघेल बताते हैं कि जबलपुर डबल मर्डर केस में भी यदि बोर्ड परीक्षण के बाद पाता है कि नाबालिग लड़की के खिलाफ वयस्कों की तरह मामला चलाया जाए तो उसे 10 साल से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा भी हो सकती है।

एनसीआरबी 2022 की रिपोर्ट- बाल अपराधियों के मामले में एमपी दूसरे नंबर पर

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के मुताबिक, साल 2022 में बाल अपराधियों द्वारा किए गए अपराध के मामले में मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र के बाद देश में दूसरे नंबर पर है। महाराष्ट्र में बाल अपराधियों के खिलाफ 4406 अपराध दर्ज हुए तो मध्यप्रदेश में 3795 मामले दर्ज हुए। हालांकि, 2021 की तुलना में ऐसे अपराधों में 33 प्रतिशत की गिरावट आई है। 2021 में मप्र में बाल अपराधियों के खिलाफ 5684 और 2020 में 4819 अपराध दर्ज हुए थे। पुलिस ने 2022 में 4294 नाबालिगों को गिरफ्तार किया, इनमें से 43ब मैट्रिक पास है। वहीं, पॉक्सो एक्ट के तहत भी देश में सबसे ज्यादा 382 मामले मध्यप्रदेश में दर्ज हुए हैं। दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र रहा, जहां 309 मामलों में एफआईआर हुई। 2022 में मप्र के 150 नाबालिगों को सजा हुई है, जो देश में सबसे ज्यादा है।

नाबालिग को अपने किए पर पछतावा नहीं, चाचा बोले- सख्त सजा हो

हत्याकांड का मुख्य अभियुक्त मुकुल सिंह अभी केंद्रीय जेल में बंद है तो नाबालिग सुधार गृह में है। जांच अधिकारियों के अनुसार, जेल जाने के बाद भी दोनों के व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आया है, उन्हें अपने किए का कोई पछतावा नहीं है। पुलिस ने जब आरोपी नाबालिग से पिता और 8 साल के मासूम भाई की हत्या के बारे में पूछा था, तब भी उसके चेहरे पर शिकन तक नहीं थी। जांच अधिकारियों के मुताबिक, हत्या के बाद इतने लंबे समय तक फरारी काटने के बाद उसका बर्ताव प्रोफेशनल अपराधियों की तरह हो गया है। कस्टडी में दोनों अपनी सामान्य दिनचर्या जी रहे हैं। सुधार गृह में लड़की के व्यवहार से ऐसा नहीं लगता कि वह इतने गंभीर अपराध में बंद है, उसके इस तरह के व्यवहार से खुद सुधार गृह के कर्मचारी भी हैरत में हैं। रेलवे अधिकारी राजकुमार के बड़े भाई बाबू विश्वकर्मा कहते हैं, मुकुल ने हमेशा हमारी भतीजी को बहकाया। वह जिस तरह से हत्याकांड में शामिल रहीं, उससे परिवार को बहुत धक्का लगा है। हम पुलिस की अगली कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं। हम भी चाहते हैं कि जल्द से जल्द चालान पेश किया जाए और न्यायालय इन्हें सजा दें।

2017 में झाबुआ में नाबालिगों को बालिग मानकर सुनाई आजीवन कारावास की सजा

झाबुआ में 2017 में कोर्ट दो नाबालिगों को बालिग मानते हुए सजा सुना चुका है। झाबुआ में 5 दिसंबर 2016 को स्कूल से लौट रहे 9वीं के छात्र राधू सिंह की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में 17 साल के बबलू और 16 साल 6 माह उम्र के राजकुमार मंडोड़िया को गिरफ्तार किया था। दोनों नाइट्रावेट का नशा करते थे। इसी नशे के लिए उन्होंने राधू से पैसे मांगे थे। पुलिस ने अपराध की गंभीरता देखते हुए दोनों को बालिग मानते हुए सजा सुनाने की मांग कोर्ट से की थी। अप्रैल 2017 में कोर्ट ने दोनों को बालिग अपराधियों की तरह सजा सुनाई थी। कोर्ट ने उन्हें आईपीसी की धारा-302 के तहत आजीवन कारावास और 10-10 हजार का अर्थदंड तथा आर्म्स एक्ट की धारा-25(बी) में 3-3 वर्ष का सश्रम कारावास और 5-5 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई थी।

14 अफसरों के तबादले...

ग्वालियर, रीवा, नर्मदापुरम में नए संभागायुक्त की पोस्टिंग; सुदाम खाड़े को आयुक्त जनसंपर्क बनाया

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश शासन ने 14 आईएएस अफसरों के तबादले किए हैं। गुरुवार देर रात इसके आदेश जारी किए गए हैं। इसमें अपर मुख्य सचिव, सचिव और अपर सचिव स्तर के अफसर इधर से उधर किए गए हैं। एक दशक से पावरफुल विभागों में पदस्थ रहे अपर मुख्य सचिव जेएन कंसोटिया को लूप लाइन में भेजा गया है। उन्हें प्रशासन अकादमी का महानिदेशक बनाया गया है। वहीं प्रशासन अकादमी के महानिदेशक विनोद कुमार को संचालक आदिम जाति अनुसंधान एवं विकास संस्थान बनाया गया है। इस आदेश के बाद अब मो. सुलेमान ही ऐसे अफसर हैं जो सीएम के अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा के सीनियर हैं। सुलेमान चार साल से ज्यादा समय से हेल्थ डिपार्टमेंट के अपर मुख्य सचिव हैं और उन्हें भी जल्द मंत्रालय से बाहर किया जा सकता है। इस तरह की प्रशासनिक जमावट से नए मुख्य सचिव के रूप में डॉ. राजेश राजौरा की पदस्थापना के संकेत पुख्ता होने लगे हैं।

डॉ. सुदाम खाड़े को आयुक्त जनसंपर्क की जिम्मेदारी

वहीं तीन महीने पहले ग्वालियर के संभाग आयुक्त बनाए गए डॉ. सुदाम खाड़े को वापस भोपाल बुलाकर उन्हें आयुक्त जनसंपर्क की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रश्मि अरुण शमी की भी पांच साल बाद पोस्टिंग बदली

राज्य शासन ने पांच साल से स्कूल शिक्षा विभाग की प्रमुख सचिव के रूप में पदस्थ रश्मि अरुण शमी को भी हटा दिया है। उन्हें प्रमुख सचिव खाद्य नागरिक आपूर्ति और आनंद विभाग पदस्थ किया गया है।

ग्वालियर, रीवा और नर्मदापुरम में नए संभागायुक्त की पोस्टिंग

ग्वालियर, रीवा और नर्मदापुरम संभाग में नए संभाग आयुक्त की पोस्टिंग की गई है। ग्वालियर संभाग आयुक्त सुदाम खाड़े आयुक्त जनसंपर्क बनाए गए हैं। वहीं रीवा संभाग के आयुक्त की जिम्मेदारी शहडोल संभाग आयुक्त बाबू सिंह जामोद को सौंपी गई है। रीवा के वर्तमान संभाग आयुक्त गोपालचंद डाड के 30 जून को रिटायर होने के बाद यह पद खाली होगा। इसके साथ ही कृष्ण गोपाल तिवारी को आयुक्त नर्मदापुरम संभाग और मनोज खत्री को आयुक्त ग्वालियर संभाग पदस्थ किया गया है। अपर सचिव स्तर के अधिकारी स्वतंत्र कुमार सिंह को फिर लूप लाइन में भेज दिया गया है। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने के पहले सिंह को आयुक्त श्रम और वाणिज्यिक कर विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई थी, लेकिन गुरुवार रात जारी आदेश में उन्हें भोपाल गैस त्रासदी राहत और पुनर्वास विभाग में पदस्थ कर दिया गया है।

मप्र में लॉन्च होगा लोकपथ ऐप; इंजीनियर ने समय पर दुरुस्त नहीं किया तो होगी कार्रवाई

गड्ढों वाली सड़कों की फोटो खींचकर सरकार को बताइए

न्यूज क्राइम फाइल

मध्य प्रदेश में लोक निर्माण विभाग की सड़कों में होने वाले गड्ढों की फोटो खींचकर आम जन विभाग के लोकपथ ऐप पर अपलोड कर सकेंगे। यह ऐप जल्दी ही विभाग की ओर से लॉन्च किया जाएगा। ऐप की खासियत यह है कि इसमें फोटो खींचकर अपलोड करने के बाद जियो टैगिंग से यह सीधे संबंधित इंजीनियर और उसके सीनियर अफसर तक पहुंच जाएगा। अगर समय पर उसे दुरुस्त नहीं किया गया तो संबंधित इंजीनियर के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

मंत्री ने ऐप को लेकर ली बैठक

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मंत्रालय में विभाग के प्रमुख अधिकारियों के साथ सड़क सूचना एवं प्रबंधन प्रणाली के सशक्तिकरण के लिए बनाई जा रही लोक-पथ ऐप (पॉट होल रिपोर्टिंग ऐप) के संबंध में बैठक की। बैठक में बेहतर सड़क सुविधा देने के लिए विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। मंत्री सिंह ने लोकपथ ऐप (पॉट होल रिपोर्टिंग ऐप) निर्माण के साथ ऐप को शीघ्र ही कार्यांवित करने के निर्देश दिए हैं। कहा- इस ऐप के सफल कार्यान्वयन के लिए पूर्ण समर्पण और तत्परता से कार्य करें। इस पहल से न केवल सड़कों की स्थिति में सुधार होगा, बल्कि नागरिकों का विश्वास भी विभाग पर और अधिक बढ़ेगा। लोक पथ ऐप के उपयोग से न केवल गड्ढों की जल्द मरम्मत संभव होगी बल्कि इससे नागरिकों की भागीदारी भी बढ़ेगी। यह ऐप सड़क सूचना एवं प्रबंधन प्रणाली के साथ सुरक्षा और यातायात की सुगमता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। बैठक में प्रजेंटेशन के माध्यम से बताया गया कि इस एप के माध्यम से आम नागरिक अपने मोबाइल से गड्ढों की जियो टेग्ड फोटो खींच कर विभाग को सूचित कर सकेंगे। गड्ढों का

फोटो जीपीएस लोकेशन के साथ संबंधित कार्यपालन यंत्री को प्राप्त होगा। जिससे गड्ढों की मरम्मत तेजी से और सही तरीके से की जा सकेगी। निर्धारित समय सीमा में गड्ढों की मरम्मत के बाद संबंधित इंजीनियर सुधार कार्य का फोटो पुन: मोबाइल एप से अपलोड करेंगे। इस प्रक्रिया के पूरा होने पर नागरिक को सूचना प्राप्त होगी जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही तय की जा सकेगी। इसके अलावा राज्य स्तर पर शिकायतों की निगरानी और निराकरण की भी व्यवस्था की जाएगी ताकि सड़कों की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो सके। बैठक में सड़क प्रबंधन प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया।

सीएम बोले...

सरकार अब दूध उत्पादन पर भी बोनस देगी

गोशाला खोलने में मदद करेगी; जिसने गोमाता पर टेढ़ी निगाह की, उसे छोड़ेंगे नहीं: मोहन यादव

न्यूज क्राइम फाइल

छिंदवाड़ा पहुंचे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, अभी तक फसल पर बोनस मिलता है, आने वाले समय में हमारी सरकार दूध उत्पादन पर भी बोनस देगी। जनपद, नगर पालिका और पंचायत स्तर पर आप गोशाला बनाएंगे, हमारी सरकार पूरी मदद करेगी। सीएम ने कहा, भूल से भी गोमाता पर कोई कष्ट आया तो उसे छोड़ने वाले नहीं हैं। लगातार कार्रवाई चल रही है। हमने 7.5 हजार गोमाता को बचाया। गो माता को कष्ट पहुंचाने पर 1 हजार से यादा को जेल में डाला। 150 से यादा पर रासुका लगाया। जिसने गोमाता पर निगाह टेढ़ी की, उसे हमारी सरकार छोड़ने वाली नहीं है। सीएम शनिवार को अमरवाड़ा विधानसभा के दौरे पर हैं। यहां सिंगोड़ी के हाईस्कूल ग्राउंड में सभा में उन्होंने कहा, हमारे भगवान राम-कृष्ण के जयकारे लगाने से कांग्रेस को बुखार आता है। मुख्यमंत्री ने हर्रई में भी जनसभा को संबोधित किया।

अमरवाड़ा उपचुनाव में कांग्रेस ने रावण की तरह वेश बदला

लोग कहते थे कि छिंदवाड़ा कांग्रेस का गढ़ है, गढ़ नहीं गड़बड़ है। कहते थे छिंदवाड़ा मॉडल दिखाएंगे। ऊपर-ऊपर हवाई जहाज में रहते थे। सिंगोड़ी को नगर परिषद तक नहीं बना पाए। अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव में आंचलकुंड दरबार से जुड़े धीरन शाह के कांग्रेस कैंडिडेट होने पर सीएम ने कहा, आंचल कुंड के दरबार को सभी प्रणाम करते हैं, लेकिन कांग्रेस ठीक वैसे ही नकली वेश में सामने आई है, जैसे रावण माता सीता को हरण करने आया था। कांग्रेस को घर पहुंचाना है। ये आडंबर करेंगे, झूठ बोलेंगे।

पित्रोदा को वापस लेना कांग्रेस का नकली चरित्र

उन्होंने सैम पित्रोदा को कांग्रेस में वापस लिए जाने पर कहा, कांग्रेस से पूछना कि आपने आदिवासियों के अपमान पर पित्रोदा को बाहर किया था, अब ऐसा कौन सा काम कर दिया कि वापस पार्टी में ले आए। राहुल गांधी के गुरु पित्रोदा की गंदी सोच है। वो कहते हैं कि आदिवासी चेहरों का रंग काला होता है। ये इनका नकली चरित्र है। शर्म आनी चाहिए। हर्रई में सभा के दौरान 150 साथियों के साथ कांग्रेस पदाधिकारियों और सदस्यों ने बीजेपी जॉइन की। मुख्यमंत्री ने सभी को सदस्यता दिलाई। अमरवाड़ा शहर कांग्रेस पर्यवेक्षक अभिषेक वर्मा भी भाजपा में शामिल हो गए।

मंत्री बोले-पत्नियां पति से कहें कि शराब घर लाकर पिएं

भोपाल में महिलाओं से कहा- घर में उन्हें बेलन दिखाएं, खाना न दें

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार में मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने अजीब बयान दिया है। उन्होंने कहा कि महिलाएं बाहर शराब पीने वाले अपने पतियों से कहें कि वे शराब घर लाकर पिएं। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह भोपाल में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने महिलाओं से कहा- माताएं-बहनें चाहें कि मेरा पति दारू न पिएं, पहले तो उसे बताएं कि आप बाजार में मत पिओ, आप तो ले आओ, मेरे सामने पिओ। सामने पिएंगे तो उनकी लिमिट कम होती जाएगी। धीरे-धीरे वो बंद की कगार पर आ जाएगी। उसे शर्म आएगी कि मैं अपनी पत्नी और बचों के सामने शराब पी रहा हूं। उसे वो भी बातें बताएं कि तुम्हारे बच्चे आगे शराब पिएंगे। शराब उसकी बंद हो जाएगी, ये बिल्कुल प्रेक्टिकल है। वो शराब छोड़ेगा।

शराब पीने वालों को बेलन दिखाएं, उन्हें खाना न दें

मंत्री ने कहा- शराब पीने वालों को महिलाएं बेलन भी दिखाएं। उन्हें खाना बनाकर मत दो। सामाजिक संस्कारों के कारण कई लोग ऐसा नहीं कर पाते, लेकिन गलत काम रोकने के लिए संस्कार आड़े नहीं आना चाहिए। महिलाएं कम्युनिटी बनाएं। बेलन गैंग बनाएं।

विकसित भारत के लिए नशा मुक्ति जरूरी

मंत्री कुशवाह शुक्रवार को भोपाल में आयोजित नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरुकता कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने वाहन रैली को हरी झंडी दिखाई। साथ ही शपथ भी दिलाई।उन्होंने कहा - मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत का संकल्प लिया है। उसमें नशे से मुक्ति दिलाना बहुत जरूरी है। स्वस्थ्य भारत तभी होगा, जब यहां रहने वाला व्यक्ति पूरी तरह से स्वस्थ्य होगा। सरकारें अपने कार्यक्रमों के तहत विभिन्न कार्यक्रम चलाती हैं। लेकिन इसमें जब तक जन भागीदारी न हो, तब तक वो कार्यक्रम सफलता हासिल नहीं कर पाता।

तिहाड़ जेल में रहेंगे; शुगर की दवाई, टेस्ट किट और घर का खाना ले सकेंगे

अरविंद केजरीवाल 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

संदीप कुमार सिंह

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट ने शनिवार को 14 दिन (12 जुलाई) की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। दिल्ली शराब नीति केस में सीबीआई ने उन्हें 26 जून को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। 3 दिन की कस्टडी के बाद आज उन्हें कोर्ट में पेश किया गया। शराब नीति केस में सीबीआई केजरीवाल के खिलाफ भ्रष्टाचार से जुड़े मामले की जांच कर रही है। सीबीआई ने आज सुनवाई के दौरान जस्टिस सुनैना शर्मा की अदालत से केजरीवाल की न्यायिक हिरासत की मांग की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। वे पहले से ही मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तिहाड़ जेल में हैं। एडवोकेट ऋषिकेश कुमार ने कहा- अरविंद केजरीवाल को 12 जुलाई को अदालत में पेश किया जाएगा। हमने कोर्ट से उनकी शुगर की दवाई, टेस्टिंग किट और घर का बना खाना उपलब्ध कराने की मांग की थी। कोर्ट ने इसे स्वीकार कर लिया।

केजरीवाल के खिलाफ ईडी और सीबीआई के अलग-अलग मामले

केजरीवाल पर दो मामले दर्ज हैं। पहला ईडी का, जिसमें उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया गया है। ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। दूसरा सीबीआई का, जिसे शराब नीति में भ्रष्टाचार को लेकर दर्ज किया गया। इस केस में 26 जून को केजरीवाल को दोबारा गिरफ्तार किया गया। यह केस दिल्ली एलजी वीके सक्सेना की शिकायत पर दर्ज हुआ था। दोनों मामले अलग-अलग दर्ज किए गए हैं, इसलिए इनमें गिरफ्तारी भी अलग-अलग हुई है। ईडी केस में केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 3 जुलाई को खत्म हो रही है। पिछली सुनवाई में बिगड़ गई थी केजरीवाल की तबीयत 26 जून को सीबीआई ने केजरीवाल को कोर्ट में पेश किया था। सुनवाई के दौरान केजरीवाल ने कहा कि मीडिया में खबर चलाई जा रही है कि मैंने सिसोदिया पर शराब नीति के आरोप लगाए हैं। यह गलत है। मैंने कहा था कि कोई दोषी नहीं हैं। सिसोदिया भी दोषी नहीं हैं। इस पर सीबीआई के वकील ने कहा मीडिया में जो चल रहा है वह सब सही है। सब फैक्ट्स पर आधारित है।

केजरीवाल सुप्रीम कोर्ट में नई याचिका लगाएंगे

सीबीआई केस में गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल जमानत याचिका वापस ले ली है। लोअर कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में 20 जून को उन्हें जमानत दे दी थी। श्वष इसके खिलाफ हाईकोर्ट पहुंची। 25 जून को हाईकोर्ट ने लोअर कोर्ट का फैसला पलट दिया। इसके खिलाफ केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई शुरू होने पर केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि केजरीवाल को सीबीआई ने गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली हाईकोर्ट ने भी 25 जून को लोअर कोर्ट के जमानत देने के आदेश को पलट दिया है। अब हम हाईकोर्ट के 25 जून के ऑर्डर के खिलाफ नई याचिका लगाएंगे। इसलिए मौजूदा याचिका को अब वापस लाना चाहते हैं।

बरसाना मंदिर में पं. प्रदीप मिश्रा से बदसलूकी

न्यूज क्राइम फाइल

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से शनिवार, 29 जून को बरसाना मंदिर में बदसलूकी की गई। धक्का-मुक्की करते हुए उनके अंगवस्त्र खींचे गए। नाक रगड़ने के लिए मजबूर किया गया। लोग चिल्ला रहे थे कि नाक रगड़वाओ, कान पकड़वाओ...। प्रदीप मिश्रा दोपहर को बरसाना पहुंचे थे। उन्होंने राधा-रानी के जन्म और विवाह से जुड़े अपने बयान पर माफी मांगी। मंदिर में उन पर इस बात के लिए दबाव बनाया गया कि नाक रगड़कर माफी मांगी जाए। इस घटनाक्रम के दौरान पंडित मिश्रा असहज दिखे। आखिरकार उन्होंने मंदिर में नाक रगड़कर माफी मांगी। दंडवत प्रणाम किया। इसके बाद मंदिर से बाहर निकले। हाथ जोड़कर ब्रजवासियों का अभिनंदन किया। हालांकि, मंदिर के रिसीवर प्रवीण गोस्वामी ने कहा- बदसलूकी की बात बिल्कुल गलत है। मंदिर में भीड़ थी, वह अचानक आए थे। उन्होंने राधा-रानी से माफी मांगी, यही ब्रजवासी चाह रहे थे।

उन्होंने कहा, मैं ब्रजवासियों के प्रेम की वजह से यहां आया हूं। लाडली जी ने खुद ही इशारा कर मुझे यहां बुलाया। मेरी वाणी से किसी को ठेस पहुंची है, तो उसके लिए माफी मांगता हूं। उन्होंने कहा, ब्रजवासियों के चरणों में दंडवत माफी मांगता हूं। मैं लाडली जी और बरसाना सरकार से क्षमा चाहता हूं। सभी से निवेदन है कि किसी के लिए कोई अपशब्द न कहें। राधे-राधे कहें, महादेव कहें। मैं सभी महंत, धर्माचार्य और आचार्य से माफी मांगता हूं।

पंडित प्रदीप मिश्रा ने 9 जून को कहा था- राधा जी बरसाना की नहीं, रावल की थीं

पंडित प्रदीप मिश्रा ने 9 जून को ओंकारेश्वर में विवादित बयान दिया था। कथा के पहले दिन प्रवचन के दौरान उन्होंने कहा था, राधा-रानी का नाम भगवान श्रीकृष्ण की 108 पटरानियों और 1600 रानियों में नहीं हैं। राधा के पति का नाम अनय घोष, उनकी सास का नाम जटिला और ननद का नाम कुटिला था। राधा जी का विवाह छाता में हुआ था। उन्होंने कहा था, राधा जी बरसाना की नहीं, रावल की रहने वाली थीं। बरसाना में तो राधा जी के पिता की कचहरी थी, जहां वह साल भर में एक बार आती थीं। पंडित प्रदीप मिश्रा का ये प्रवचन वायरल हुआ तो संत, ब्रजधाम में लोगों ने विरोध किया। सबसे तल्ख टिप्पणी प्रेमानंद महाराज की तरफ से आई थी। उन्होंने कहा, लाडली जी के बारे में तुम्हें पता ही क्या है? तुम जानते ही क्या हो? अगर तुम किसी संत के चरण रज का पान करके बात करते तो तुम्हारे मुख से कभी ऐसी वाणी नहीं निकलती।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623